

FOSTER-SON : (1) पोष्यपुत्रः ; (2) पालितसुतः and sim. comp.s.

FOSTERING (adj.) : (1) पोषकः (f. षिका) (?) ; पा(ला)लकः (f. लिका) (?) .

FOUL (v.t.) : कलुषयति (nomi.) : v. To befoul.

FOUL (adj.) : I. Dirty : q.v. : (1) मलपूर्ण (f. र्णा) (=full of dirt) ; (2) अशुचि (mf. n.), अमेध्य (f. ध्या), etc. (=impure), in a ditch full of f. (matter): अशुचिसंपूर्णे खातके, K.s. xiii. 148. II. Obscene, abusive : q.v. : अश्लीलः (ला, लं). III. Abominable, detestable : q.v. : मलिनः (ना, नं), K. IV. Unfair, fraudulent : q.v. : कूट- in comp., f. play: कूटव्यवहारः. V. Unfavourable : q.v. Ph. : f. weather : दुर्दिनम् ; fall f. of : -उपरि पतति.

FOULLY : (1) मलिनम् (=dirtily) ; (2) अश्लीलम् (=obscenely) ; (3) गर्हितम्. (=abominably) ; better by adj.

FOUL-MOUTHED : (1) वाग्दुष्ट (f. टा) ; (2) अश्लील-वादिन् (f. नी), etc.

FOULNESS : (1) मलिनता ; (2) अश्लीलता (=obs- cenity) ; (3) अमेध्यता (=impurity, dis- honesty) : v. Also foul.

FOUND (v.t.) : I. In gen. : (1) स्थापयति, प्रति- (c. of स्था) (=to establish : q.v.) ; (2) निर्मिमीते (मा, c. 3.) (=to build : q.v.) ; (3) -मूल (=root) in comp., f. ed on love: प्रेममूलः (ला, लं). II. To cast : सं-दधाति (धा, c. 3.) (?).

FOUNDATION : I. Groundwork : (1) भित्तिमूलम् (lit. and fig.), lay the f. stone of a college: \*विद्यालयस्य भित्तिमूलप्रस्तरं न्यस्यति ; (2) भूमिः (= ground). II. Endowment: वृत्तिः, f. scholarship: \*मूलवृत्तिः. III. Establishment: स्थापनम्, प्रति-.

FOUNDER (subs.) : I. In gen. ; (1) स्थापकः, प्रति- (=establisher) ; (2) निर्मातृ (m.) (=builder) ; (3) कारः (=author) ; (4) मूलम् ; (=root). II. Caster : संघातृ (m.) (?).

FOUNDER (v.) : I. Lit. : जलाविष्टः (टा, ष्टं) नश्यति (नश्, c. 4.) : v. Also to sink. II. To fail, miscarry : नश्यति.

FOUNDERY, FOUNDRY : (1) सन्धानी ; (2) कुप्यशाला.

FOUNDLING : अपविद्धबालः (f. ला), f. hospital: \*अनाथ- बालाश्रमः.

FOUNDRESS : (1) स्थापयित्री, प्रति- ; (2) स्थापिका, प्रति-.

FOUNT, FOUNTAIN : I. Lit. : (1) प्रस्रवणम् ; (2) निर्गारः ; (3) उत्सः II. Source : (1) मूलम् ; (2) योनिः ; (3) प्रसूः or प्रसूतिः (=mother), Ki. III. Of types : v. Font.

FOUR : चतुर् (mf. n.), f. times: चतुः ; of f. kinds: चतुर्विधः (धा, धं), aggregate of f.: चतुष्टयम् ; in f. ways: चतुर्धा ; f. hundred: चतुःशतम् ; the f. objects of human pursuit (virtue, wealth, love, and sal- vation) : चतुर्वर्गः ; an army complete in its four parts—horse, foot, car and elephants: चतुरङ्गबलम्.

FOUR-CORNERED : (1) चतुरस्र (f. स्त्रा) ; (2) चतुष्कोण (f. णा).

FOURFOLD : (1) चतुर्गुणः (गा, णं) ; (2) by adv.: चतुर्वारम् ; (3) चतुर्धा (in f. ways).

FOUR-FOOTED : (1) चतुष्पदः (दी, दं) ; (2) चतुष्पाद् (mf. n.).

FOURSCORE : अशीतिः : v. Eighty.

FOUR SQUARE : समचतुरस्र (f. स्त्रा) : v. Square.

FOUR-WHEELED : चतुश्चक्रः (क्रा, कं).

FOURTEEN : चतुर्दशन् (mf. n.). F. th: चतुर्दशः (शी, शं).

FOURTH (adj.) : (1) चतुर्थः (र्था, र्थं) ; (2) तुरीयः (या, यं) ; (3) तुर्यः (र्या, र्यं). In the f. place: चतुर्थतः ; for the f. time: चतुर्थवारम्.

FOURTH (subs.) : I. Lit. : (1) चतुर्भागः ; (2) पादः, three f. s : पादत्रयम्, Li. : v. Quarter. II. The f. note in music: षड्जः.

FOURTHLY : (1) चतुर्थतः ; (2) तुरीयतः (rare).

FOWL (subs.) : I. A bird : q.v. II. A cock or hen : q.v.

FOWL (v.i.) : पक्षिणो हन्ति (हन्, c. 2.), etc.; always f. ing in the forest : द्विजान् हत्वा वने सदा, Mah.

FOWLER : (1) शाकुनिकः ; (2) शकुनिलुब्धकः, P. iii. 7. ; (3) विहङ्गहन् (m.), Mah.

FOWLING : पक्षिघातः. F. -piece: \*पक्षिघातयन्त्रम्.

Fox : I. Lit. : (1) खिलिः or किलिः ; (2) खिल्लिरः. II. Fig. : a sly rogue: धूर्तः.

FOX-GLOVE : औषधिभेदः ; \*खिलिपादः.

FOX-HOUND : v. Hound.

FRACTION : I. In arith : भिन्नम्, -राशिः, multipli- cation of f.s : भिन्नगुणनम्, Li. II. A portion, fragment : q.v.